इकाई– 2
Unit - 2

अध्याय– 3

संसद तथा कानूनों का निर्माण

Parliament and the Making of Laws

CLASS VIIIth (Polity)

NCERT Based

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

By : Karan Sir

इकाई - 2

अध्याय- 3

संसद तथा कानूनों का निर्माण

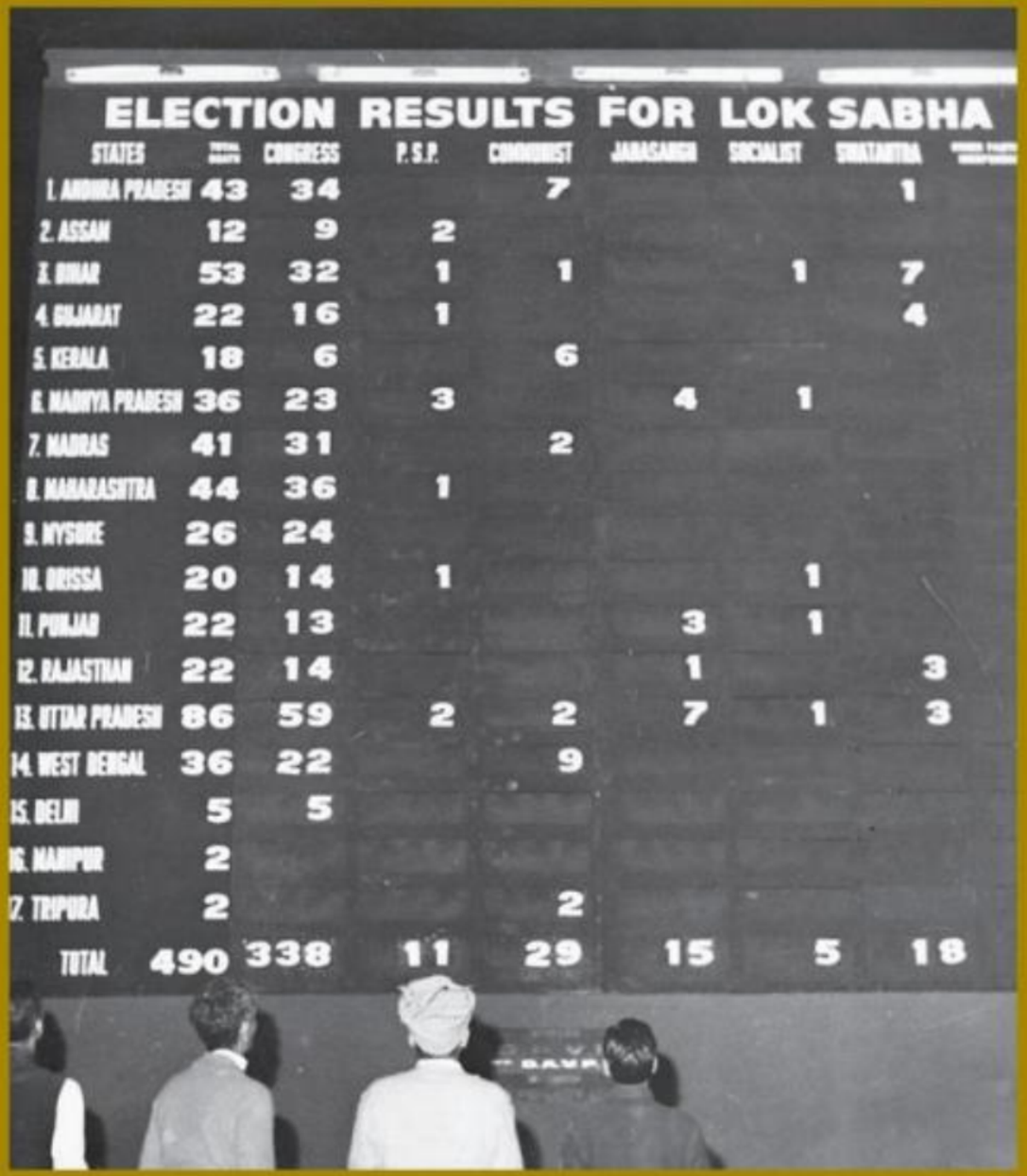

ELECTION RESULTS FOR LOK SABHA

STATES	TOTAL SEATS	CONGRESS	P.S.P.	COMMUNIST	JANASANGH	SOCIALIST	SWATANTRA	OTHER PARTIES
1. ANDHRA PRADESH	43	34		7			1	
2. ASSAM	12	9	2					
3. BIHAR	53	32	1	1		1	7	
4. GUJARAT	22	16	1				4	
5. KERALA	18	6		6				
6. MADHYA PRADESH	36	23	3		4	1		
7. MADRAS	41	31		2				
8. MAHARASHTRA	44	36	1					
9. MYSORE	26	24						
10. ORISSA	20	14	1			1		
11. PUNJAB	22	13			3	1		
12. RAJASTHAN	22	14			1		3	
13. UTTAR PRADESH	86	59	2	2	7	1	3	
14. WEST BENGAL	36	22		9				
15. DELHI	5	5						
16. MANIPUR	2							
17. TRIPURA	2			2				
TOTAL	490	338	11	29	15	5	18	

संसद तथा कानूनों का निर्माण

हम भारतीयों को इस बात का गर्व है कि हम एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं। इस अध्याय में हम निर्णय प्रक्रिया में सहभागिता और लोकतांत्रिक सरकार के लिए नागरिकों की सहमति के महत्त्व जैसे विचारों के आपसी संबंधों को समझने की कोशिश करेंगे।

Parliament and the Making of Laws

We in India pride ourselves on being a democracy. Here we will try and understand the relation between the ideas of participation in decision-making and the need for all democratic governments to have the consent of their citizens.

यही वे तत्त्व हैं जो सम्मिलित रूप से भारत में एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का निर्माण करते हैं। इस बात की सबसे अच्छी अभिव्यक्ति संसद के रूप में मिलती है। इस अध्याय में हम यह देखेंगे कि किस तरह हमारी संसद देश के नागरिकों को निर्णय प्रक्रिया में हिस्सा लेने और सरकार पर अंकुश रखने में मदद देती है। इसी आधार पर संसद भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रतीक और संविधान का केंद्रीय तत्त्व है।

It is these elements that together make us a democracy and this is best expressed in the institution of the Parliament. In this chapter, we will try to see how the Parliament enables citizens of India to participate in decision making and control the government, thus making it the most important symbol of Indian democracy and a key feature of the Constitution.

पिछले पन्ने पर दी गई संसद की तस्वीर के ज़रिए कलाकार क्या कहने का प्रयास कर रहा है?

What do you think the artist is trying to convey through the image of Parliament on the previous page?

इस चित्र में एक मतदाता इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) के इस्तेमाल की विधि पढ़ रहा है। 2004 के आम चुनावों में पहली बार पूरे देश में ई.वी.एम. का इस्तेमाल किया गया था। इस चुनाव में ई.वी.एम. के इस्तेमाल से लगभग 1,50,000 पेड़ों की रक्षा हुई क्योंकि मतपत्रों की छपाई के लिए इन पेड़ों को काट कर 8,000 टन कागज बनाना पड़ता।

The above photo shows a voter reading instructions on how to use an Electronic Voting Machine (EVM). EVMs were used throughout the country for the first time in the 2004 general elections. The use of EVMs in 2004 saved around 1,50,000 trees which would have been cut to produce about 8,000 tons of paper for printing the ballot papers.

लोगों को फ़ैसला क्यों लेना चाहिए?

जैसा कि हम जानते हैं, भारत 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ। इस आज़ादी के लिए पूरे देश की जनता ने एक लंबा और मुश्किल संघर्ष चलाया था। इस संघर्ष में समाज के बहुत सारे तबकों की हिस्सेदारी थी। तरह-तरह की पृष्ठभूमि के लोगों ने इसमें भाग लिया। वे स्वतंत्रता, समानता तथा निर्णय प्रक्रिया में हिस्सेदारी के विचारों से प्रेरित थे। औपनिवेशिक शासन के तहत लोग ब्रिटिश सरकार से भयभीत रहते थे।

Why should People Decide?

India, as we know, became independent on 15 August 1947. Preceding this was a long and difficult struggle in which many sections of society participated. People from various backgrounds joined the struggle and they were inspired by the ideas of freedom, equality and participation in decision–making. Under colonial rule, the people had lived in fear of the British government and did not agree with many of

वे सरकार के बहुत सारे फ़ैसलों से असहमत थे। लेकिन अगर वे इन फ़ैसलों की आलोचना करते तो उन्हें भारी खतरों का सामना करना पड़ता था। स्वतंत्रता आंदोलन ने यह स्थिति बदल डाली। राष्ट्रवादी खुलेआम ब्रिटिश सरकार की आलोचना करने लगे और अपनी माँगें पेश करने लगे। 1885 में ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने माँग की कि विधायिका में निर्वाचित सदस्य होने चाहिए और उन्हें बजट पर चर्चा

they tried to criticise these decisions. The freedom movement changed this situation. The nationalists began to openly criticise the British government and make demands. As far back as 1885, the Indian National Congress demanded that there be elected members in the legislature

करने एवं प्रश्न पूछने का अधिकार मिलना चाहिए। 1909 में बने गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट ने कुछ हद तक निर्वाचित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था को मंज़ूरी दे दी। हालाँकि ब्रिटिश सरकार के अंतर्गत बनाई गई ये शुरुआती विधायिकाएँ राष्ट्रवादियों के बढ़ते जा रहे दबाव के कारण ही बनी थीं, लेकिन इनमें भी सभी वयस्कों को न तो वोट डालने का अधिकार दिया गया था और न ही आम लोग निर्णय प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते थे।

with a right to discuss the budget and ask questions. The Government of India Act 1909, allowed for some elected representation. While these early legislatures under the British government were in response to the growing demands of the nationalists, they did not allow for all adults to vote nor could people participate in decision making.

जैसा कि आपने पहले अध्याय में पढ़ा था, औपनिवेशिक शासन के अनुभव और स्वतंत्रता संघर्ष में तरह-तरह के लोगों की हिस्सेदारी के आधार पर राष्ट्रवादियों को विश्वास हो गया था कि स्वतंत्र भारत में सभी लोग अपने जीवन को प्रभावित करने वाले फ़ैसलों में हिस्सा लेने की क्षमता रखते हैं। स्वतंत्रता मिलने पर हम एक स्वतंत्र देश के नागरिक बनने वाले थे। लेकिन इसका यह मतलब नहीं था कि सरकार जो चाहे कर सकती थी। इसका मतलब यह था कि अब सरकार को लोगों की ज़रूरतों और माँगों के प्रति संवेदनशील रहना होगा। स्वतंत्रता

As you read in Chapter 1, the experience of colonial rule as well as the participation of different people in the struggle for freedom left little doubt in the minds of the nationalists that all persons in independent India would be able to participate in making decisions. With the coming of independence, we were going to be citizens of a free

संघर्ष के सपनों और आकांक्षाओं ने स्वतंत्र भारत के संविधान में ठोस रूप ग्रहण किया। इस संविधान ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को अपनाया। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का मतलब है कि देश के सभी वयस्क नागरिकों को वोट देने का अधिकार है।

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार क्यों मिलना चाहिए, इसके पक्ष में एक कारण बताइए।

क्लास मॉनीटर का चुनाव शिक्षक द्वारा किया जाता है या विद्यार्थियों द्वारा – आपकी राय में इस बात से कोई फ़र्क पड़ता है या नहीं? चर्चा कीजिए।

country. This did not mean that the government could do what it felt like, it meant that the government had to be sensitive to people's needs and demands. The dreams and aspirations of the freedom struggle were made concrete in the Constitution of independent India that laid down the principle of universal adult franchise, i.e. that all adult citizens of the country have the right to vote.

Give one reason why you think there should be universal adult franchise.

Do you think there would be any difference if the class monitor was selected by the teacher or elected by the students? Discuss.

लोग और उनके प्रतिनिधि

सहमति का विचार लोकतंत्र का प्रस्थानबिंदु होता है। सहमति का मतलब है चाह, स्वीकृति और लोगों की हिस्सेदारी। लोगों का निर्णय ही लोकतांत्रिक सरकार का गठन करता है और उसके कामकाज के बारे में फ़ैसला देता है। इस तरह के लोकतंत्र के पीछे मूल सोच यह होती है कि व्यक्ति या नागरिक ही सबसे महत्त्वपूर्ण है और सैद्धांतिक स्तर पर सरकार एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों में इन नागरिकों की आस्था होनी चाहिए।

People and their Representatives

The take-off point for a democracy is the idea of consent, i.e. the desire, approval and participation of people. It is the decision of people that creates a democratic government and decides about its functioning. The basic idea in this kind of democracy is that the individual or the citizen is the most important person and that in principle the government as well as other public institutions need to have the trust of these citizens.

व्यक्ति सरकार को अपनी मंजूरी कैसे देता है? जैसा कि आपने पढ़ा है, मंजूरी देने का एक तरीका चुनाव है। लोग संसद के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। इन्हीं निर्वाचित प्रतिनिधियों में से एक समूह सरकार बनाता है। जनता द्वारा चुने गए सभी प्रतिनिधियों के इस समूह को ही संसद कहा जाता है। यह संसद सरकार को नियंत्रित करती है और उसका मार्गदर्शन करती है। इस लिहाज़ से अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से लोग ही सरकार बनाते हैं और उस पर नियंत्रण रखते हैं।

How does the individual give approval to the government? One way of doing so, as you read, is through elections. People would elect their representatives to the Parliament, then, one group from among these elected representatives forms the government. The Parliament, which is made up of all representatives together, controls and guides the government. In this sense people, through their chosen representatives, form the government and also control it.

इस फ़ोटो में चुनाव कर्मचारी एक दुर्गम इलाके में स्थित मतदान केंद्र तक मतदान सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पहुँचाने के लिए हाथी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

This photo shows election staff using an elephant to carry polling material and EVMs to polling stations located in difficult terrain.

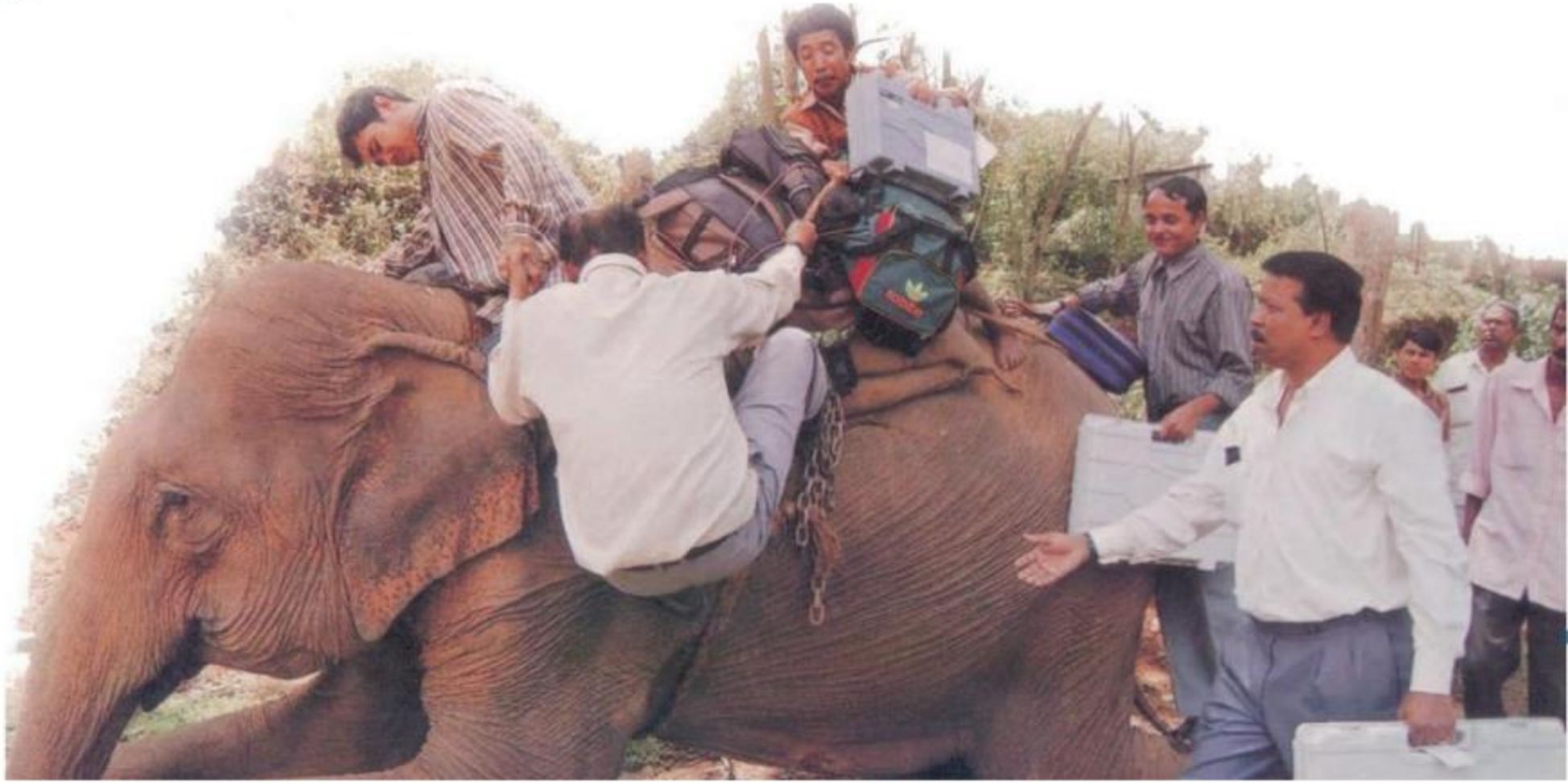

प्रतिनिधित्व का यह विचार कक्षा 6 और 7 की *सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन* पाठ्यपुस्तकों का एक महत्त्वपूर्ण विषय था। आप इस बात से पहले ही परिचित हैं कि सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्रतिनिधियों का चुनाव किस तरह किया जाता है। आइए निम्नलिखित अभ्यास के माध्यम से इन विचारों को एक बार फिर दोहरा लें।

The above idea of representation has been an important theme in your Class VI and VII *Social and Political Life* textbooks. You are familiar with how representatives are chosen at different levels of government. Let us recall these ideas by doing the following exercises.

1. विधायक (एमएलए) कौन होता है और उसका चुनाव कैसे किया जाता है – इस बात को समझाने के लिए 'निर्वाचन क्षेत्र' और 'प्रतिनिधित्व' शब्दों का प्रयोग करें।

2. राज्य विधानसभा और संसद (लोकसभा) के बीच क्या फ़र्क है – इस बारे में अपने शिक्षक के साथ चर्चा कीजिए।

3. नीचे दिये गए विकल्पों में से कौन से काम राज्य सरकार के हैं और कौन से केंद्र सरकार के हैं?

   (क) चीन के साथ शांतिपूर्ण संबंध रखा जाएगा।

   (ख) मध्य प्रदेश में बोर्ड के तहत आने वाले सभी स्कूलों में कक्षा 8 को बोर्ड की परीक्षाओं से बाहर रखा जाएगा।

   (ग) अजमेर और मैसूर के बीच एक नयी रेलगाड़ी चलाई जाएगी।

   (घ) 1000 रुपये का नया नोट जारी किया जाएगा।

1. Use the terms 'constituency' and 'represent' to explain who an MLA is and how the person gets elected?

2. Discuss with your teacher the difference between a State Legislative Assembly (Vidhan Sabha) and the Parliament (Lok Sabha).

3. From the list below, identify the work of a State government and that of a Central government.
   (a) The decision of the Indian government to maintain peaceful relations with China.
   (b) The decision of the Madhya Pradesh government to discontinue Board exams in Class VIII for all schools under this Board.
   (c) Introduction of a new train connection between Ajmer and Mysore.
   (d) Introduction of a new 1,000 rupee note.

4. निम्नलिखित शब्दों को रिक्त स्थानों में भरें–
सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार; विधायकों; प्रतिनिधियों; प्रत्यक्ष रूप से

हमारे समय में लोकतांत्रिक सरकारों को आमतौर पर प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र की संज्ञा दी जाती है। प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र में लोग ..... हिस्सेदारी नहीं करते बल्कि चुनाव प्रक्रिया के ज़रिए अपने ..... को चुनते हैं। ये ..... पूरी जनता के बारे में मिलकर फ़ैसले लेते हैं। आज के दौर में ऐसी किसी सरकार को लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता जो अपने लोगों को ..... न देती हो। इसका मतलब यह है कि देश के सभी वयस्क नागरिकों को वोट देने का अधिकार होता है।

5. आप पढ़ चुके हैं कि पंचायत, राज्य विधायिका या संसद के लिए चुने जाने वाले ज़्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों को 5 साल की अवधि के लिए चुना जाता है। ऐसा क्यों है कि जनप्रतिनिधियों को केवल कुछ सालों के लिए ही चुना जाता है, जीवनभर के लिए नहीं?

6. आप यह पढ़ चुके हैं कि सरकार की कार्रवाइयों पर अपनी सहमति या असहमति व्यक्त करने के लिए लोग केवल चुनावों का ही इस्तेमाल नहीं करते, बल्कि वे दूसरे रास्ते भी अख्तियार करते हैं। क्या आप छोटे से नाटक के ज़रिए इस तरह के तीन तरीके बता सकते हैं?

4. Fill in the blanks with the following words.
universal adult franchise; MLAs; representatives; directly

Democratic governments in our times are usually referred to as representative democracies. In representative democracies, people do not participate ..... but, instead, choose their .....through an election process. These ..... meet and make decisions for the entire population. These days, a government cannot call itself democratic unless it allows what is known as ..... This means that all adult citizens in the country are allowed to vote.

5. You have read that most elected members whether in the Panchayat, or the Vidhan Sabha or the Parliament are elected for a fixed period of five years. Why do we have a system where the representatives are elected for a fixed period and not for life?

6. You have read that people participate in other ways and not just through elections to express approval or disapproval of the actions of government. Can you describe three such ways through a small skit?

1

2

3

1. भारतीय संसद देश की सर्वोच्च कानून निर्मात्री संस्था है। इसके दो सदन हैं – राज्य सभा और लोक सभा।
2. राज्य सभा में कुल 245 सदस्य होते हैं। देश के उपराष्ट्रपति राज्य सभा के सभापति होते हैं।
3. लोक सभा में कुल 545 सदस्य होते हैं। इसकी अध्यक्षता लोक सभा अध्यक्ष करते हैं।

1. The Parliament of India (Sansad) is the supreme law-making institution. It has two Houses, the Rajya Sabha and the Lok Sabha.
2. Rajya Sabha (Council of States), with a total strength of 245 members, is chaired by the Vice-President of India.
3. Lok Sabha (House of the People), with a total membership of 545, is presided over by the Speaker.

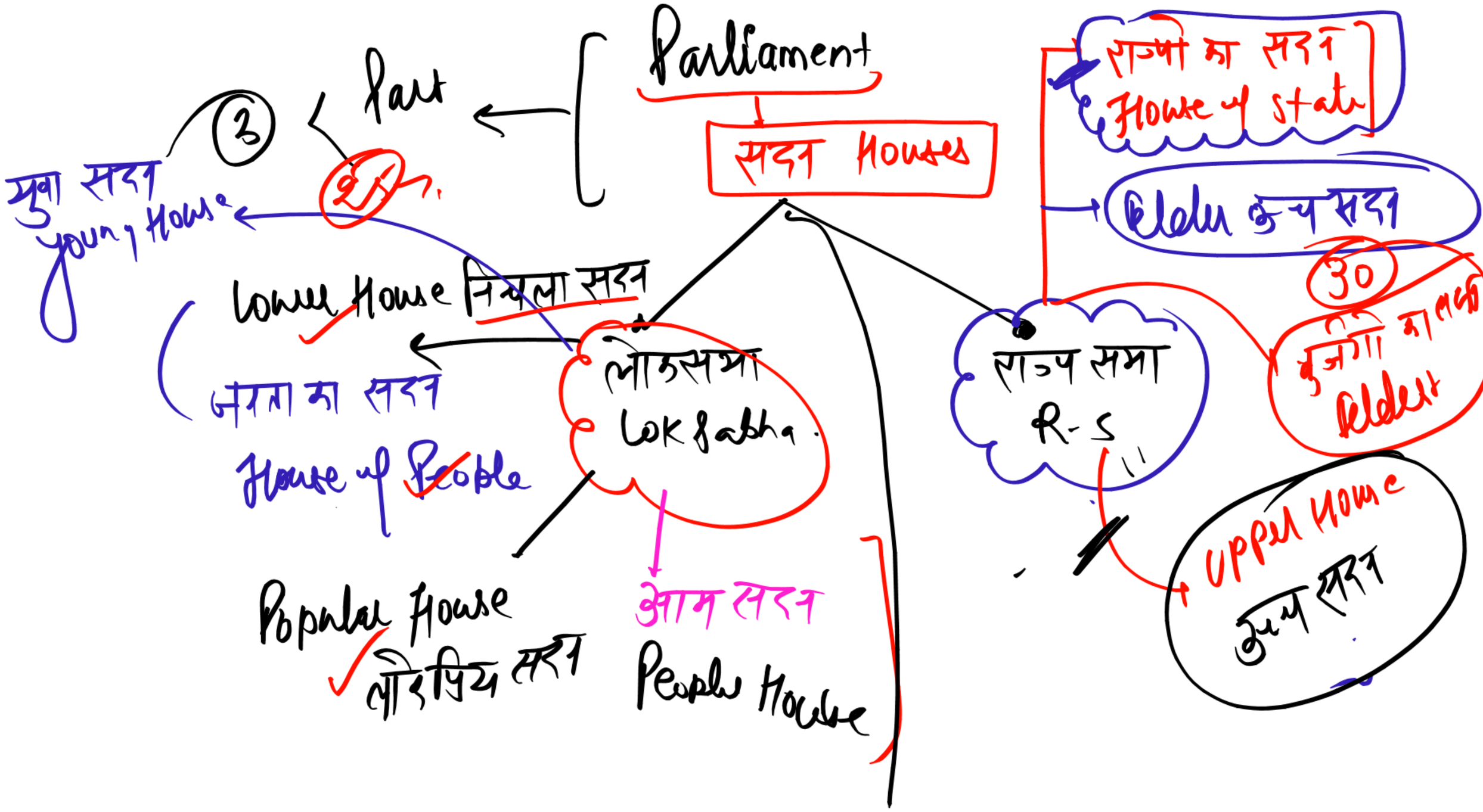

Parliament
सदन Houses
Part
3
युवा सदन
Young House
Lower House निचला सदन
जनता का सदन
House of People
लोकसभा
Lok Sabha
Popular House
लोकप्रिय सदन
आम सदन
People House
राज्यों का सदन
House of State
Elder उच्च सदन
30
Elder
राज्य सभा
R-S
Upper House
उच्च सदन

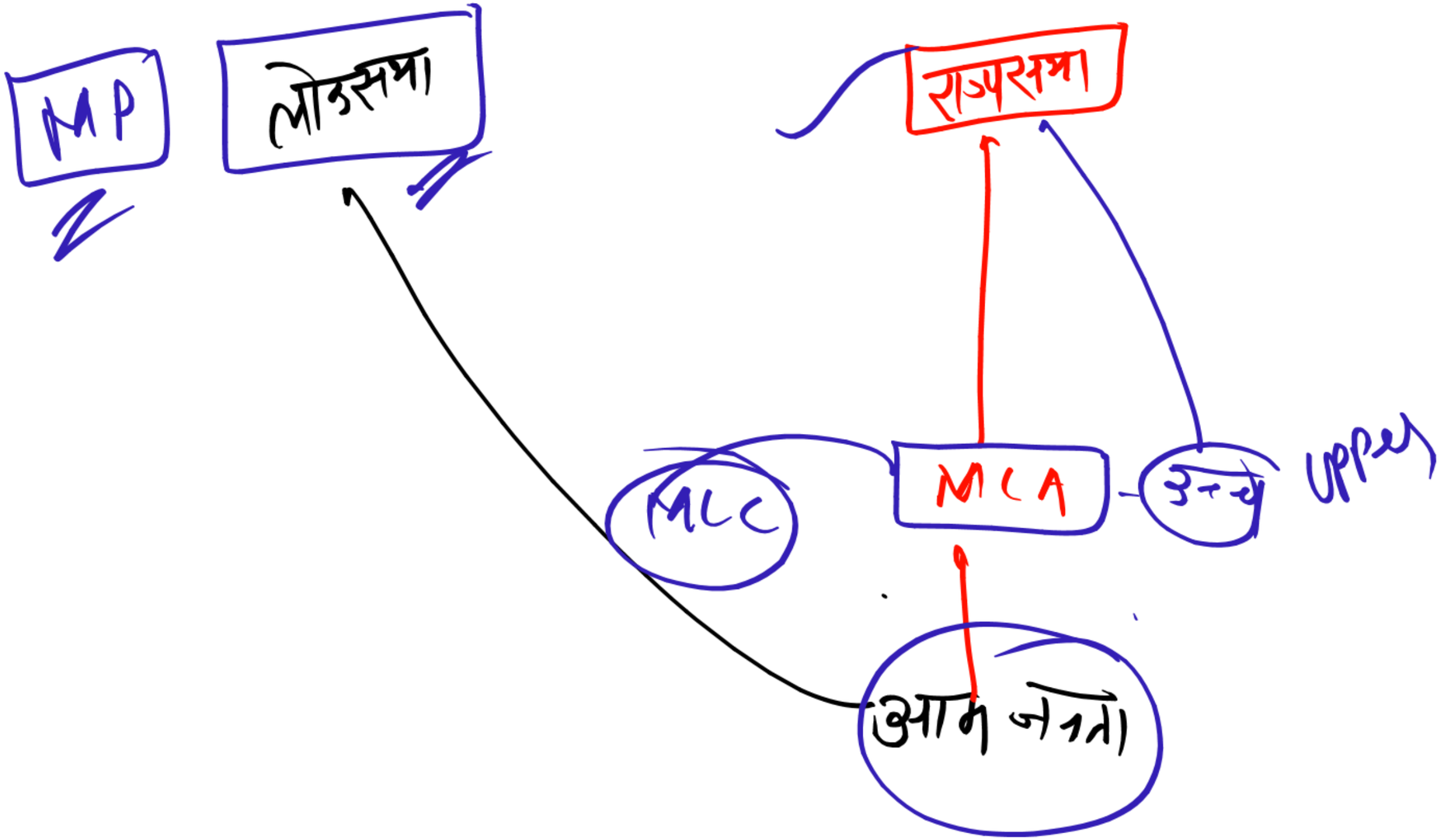
MP
लोकसभा
राज्यसभा
MLC
MLA
उच्च
UPPER
आम जनता

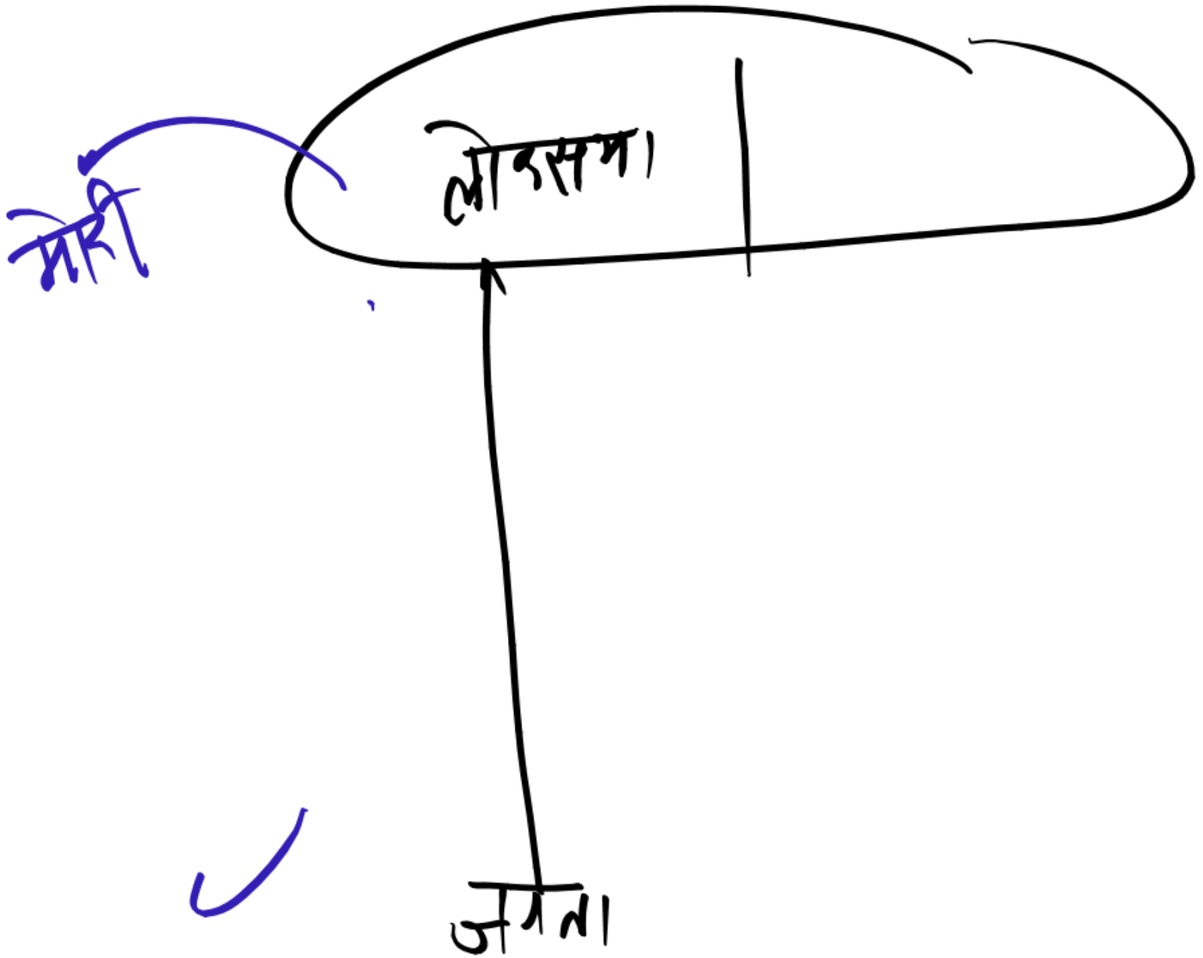
लोकसभा
जनता

संसद की भूमिका

आज़ादी के बाद गठित की गई भारतीय संसद लोकतंत्र के सिद्धांतों में भारतीय जनता की आस्था का प्रतीक है। ये सिद्धांत हैं निर्णय प्रक्रिया में जनता की हिस्सेदारी और सहमति पर आधारित शासन। हमारी व्यवस्था में संसद के पास महत्त्वपूर्ण शक्तियाँ हैं क्योंकि यह जनता का प्रतिनिधित्व करती है। लोक सभा के लिए भी उसी तरह चुनाव होते हैं जिस तरह राज्य विधानसभा के लिए चुनाव होते हैं। आम तौर पर लोक सभा के लिए हर पाँच साल में चुनाव करवाए जाते हैं। जैसा कि पृष्ठ संख्या 41 पर दिए गए नक्शे में दिखाया गया है, देश को बहुत सारे निर्वाचन क्षेत्रों में बाँटा गया है। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक व्यक्ति को संसद में भेजा जाता है। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार आमतौर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य होते हैं।

The Role of the Parliament

Created after 1947, the Indian Parliament is an expression of the faith that the people of India have in principles of democracy. These are participation by people in the decision-making process and government by consent. The Parliament in our system has immense powers because it is the representative of the people. Elections to the Parliament are held in a similar manner as they are for the state legislature. The Lok Sabha is usually elected once every five years. The country is divided into numerous constituencies as shown in the map on page 41. Each of these constituencies elects one person to the Parliament. The candidates who contest elections usually belong to different political parties.